

१०५२ अ

DH372

संस्कृत-संज्ञा-सूची

५७३७२

ह्रस्वकस्य संप्रसारितम्
ह्रस्वकस्य संप्रसारितम्

५७३१२

इवूकस्य सीद्धिप्रतिसमाधि

इवूकस्य संक्षिप्तत्रिसमाधि

(५) चक्रसंज्ञ
नदिसमाधिः॥

[illegible]

कथमर्गमभिनवकर्मकलाहर्व्वकथयक. ॐ ठक्कि जाऊहा ॥ ॥ ॐ त्रा ४ दूँ भख
 खं उमाह सर्वविद्यां नूत्तायै ॐ पूजा रुठ नर्गखादकैयच्छिपः स्वस्मै नर्गयाय चा
 ॐ वज्र दीप स्वाहा ॐ वज्र नेत्राय स्वाहा ॐ वज्र लाजाय स्वाहा वलि त्रुधि दान ॐ त्रु का यो म
 ॐ त्रा दूँ मंजु पाद एषा धन ॐ ह ४ हो की ४ त्र ४ र्व ४ स्वाहा पून ४ यी त्ता ४ न्य नां ए वथ न
 ह स्तां दूँ का य एषा कार्य कर्म वज्र वज्र ह सुं तत्संयुटं या ए ग व म हा या ए ग व ड वी ह नै य
 कृ एषा धनी गु व जी त्तिका एषा धनी सर्व देवा या पिता एषा धय २ दूँ ॐ त्र मु न त्र मु नै य
 ह ना च त्रा का य एषा धनी य व भय न त न वा म ह सुं सै य क यि त्ता पि त्रं गु लिय टा क ह
 क या ॐ च स्या ल ॐ क व द्र स्य न ॐ मि वां ग ॥ ॐ दं या द्र स्यं लां क्रा तिका दं मि रवा
 या का को षाल लं के ० को नै ग हि च य वा थ पुं लिं ग गुं गु उ वा न नां ष या नि यां सै ली

[illegible][illegible]

[illegible]

विनाशगदर्थकृत्वा सकलामृतमानियसमापन्नपूर्वकंदवीर्ययथायथागव्यवीर्य
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पूर्ववत्तुः श्रापार्थं पलायं मुक्त ॥ ॥ नमो श्रालिकालिय
 ॥ सर्वधर्मा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय सर्वधर्मा ॥ दयप्रमोर्नरदत्तवाचं च यत्र यमार्गं नरकं
 कां विनाशय ॥ ॐ वज्रावलिहो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वज्रावलिहो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दह २ यत्र २ रुद्र २ सव २ धिवां नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 विरहि विरहि विरहि २ रुद्र २ स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 स्मा वज्रावलिहो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 स्वपुत्रकथय सहायकारकं रुद्र २ रुद्र २ स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 विप्रसिद्धिमाधिमखाद्यानपूजाविधि ॥ समाप्त ॥ ० ॥

5